i-NEXT PAGE 4

PICS: DAINIK JAGRAN-I NEXT

दौड़ में सबने दिखाया अपना दम.

सुरभि में दिखे प्रतिभा के रंग

द्वितीय परिसर में पांच दिवसीय वार्षिक खेल सांस्कृतिक प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

LUCKNOW(13 Dec): लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग में मंगलवार को लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन के सहयोग से 'मास्टर क्लास फार स्टार्टअप' का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हैशटैग बाजार डाट काम के प्रबंध संचालक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकुश अरोरा, यूपी वेंचर कैटलिस्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के सुधांशु रस्तोगी उपस्थित रहे.

पांच दिन चलेगा कार्यक्रम

प्रतियोगिताओं में शामिल होने के लिए सुबह से ही प्रतिभागी छात्र-छात्राओं की भीड़ जुट गई. पांच दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम के पहले दिन स्पोर्ट्स ग्राउंड में 100, 400, 200, 800 और 1600 मीटर दौड़, रिले रेस, बैडमिंटन, शतरंज, कैरम, वालीबाल, बास्केटबाल प्रतियोगिताएं हुई. इसके अलावा जूरिस हाल में सोलो एकल नृत्य एवं गायन, फेस पेंटिंग, लाइब्रेरी में शतरंज, कैरम, ला फैकल्टी के मैदान बैडमिंटन सहित प्रतियोगिताएं हुईं. सभी प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने दमदार खेल का प्रदर्शन किया, जिस पर वहां मौजूद लोग तालियां बजाने को मजबूर हो गए.

एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां

सभी प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी. इस अवसर पर विश्वविद्यालय खेल एवं संस्कृति समिति के निदेशक प्रोफेसर सतीश चंद्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल ही हमें मानव शक्ति और बुद्धि का अर्थ समझाते हैं, तभी तो प्रतिभागी बड़े से बड़े लक्ष्यों को पाने में समर्थ होते हैं. कार्यक्रम में द्वितीय कैंपस के निदेशक प्रो. बीडी सिंह, कुलानुशासक प्रो. मोहम्मद अहमद, अध्यक्ष उग्रसेन वर्मा भी उपस्थित रहे. कार्यक्रम का समापन 17 दिसंबर को होगा.

NBT PAGE 4

'सफल उद्यमी के लिए बाजार की जानकारी जरूरी'

■ एनबीटी सं., लखनऊः सफल उद्यमी बनने के लिए बाजार की जानकारी होना बहुत जरूरी है। साथ ही प्रतियोगिता का विश्लेषण भी करना जरूरी है। यह बातें मंगलवार को एलयू के व्यापार प्रशासन विभाग में 'मास्टर क्लास फॉर स्टार्टअप' के दौरान कही गईं। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को उद्यमी बनने के टिप्स दिए। बताया गया कि उद्यमिता क्या है और कैसे सफल उद्यमी बना जा सकता है। इसके लिए काम शुरू करने से पहले बाजार का दायरा, प्रतिस्पर्धा की स्थिति, लक्ष्य आदि के बारे में जानकारी दी गई है। इस मौके पर हैशटैग बाजार.कॉम के संस्थापक अंकुश अरोरा, 9 यूनिकॉर्न वेंचर फंड के सुधांशु रस्तोगी, एलएमए के सचिव एके माथुर के साथ ही विभाग की एचओडी प्रो. संगीता साहू सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

'खेलों से होता है सर्वांगीण विकास'

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू के न्यू कैंपस में मंगलवार से पांच दिवसीय खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के महाकुंभ 'संस्कृति सुरभि' के 12वें संस्करण का आगाज हुआ। पहले दिन दौड़, शतरंज, कैरम, वॉलिबॉल, बास्केटबॉल, एकल गायन, एकल नृत्य सहित 12 से अधिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 17 दिसम्बर तक चलने वाले इस कार्यक्रम में महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। इस दौरान एलयू न्यू कैंपस में विधि संकाय के डीन प्रोफेसर बीडी सिंह ने कहा कि खेल हमें मानव शक्ति और बुद्धि का अर्थ समझाते हैं। उन्होंने खेलों को जिंदगी का अभिन्न अंग बताया। कहा कि खेल ही एक ऐसा माध्यम है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है।

लविवि : हॉस्टल के लिए 16 तक करें आवेदन

■ एनबीटी सं., लखनऊ : एलयू में एमएड और एमलिब पहले सेमेस्टर के विद्यार्थी हॉस्टल के लिए आवेदन कर सकते हैं। अंतिम तिथि 16 दिसम्बर है। रजिस्ट्रेशन फीस 50 रुपये तय की गई है। विवि प्रशासन के अनुसार www.luhostel.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

कॉलेजों में खाली सीटों पर सीधे प्रवेश

बीपीएड, एमपीएड, बीएलएड व एमएड के लिए लविवि ने सहयुक्त कॉलेजों को दी अनुमति

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से सहयुक्त महाविद्यालयों में चार कोर्सों में सीधे प्रवेश की अनुमति दी गई है। हालांकि यह अनुमति सिर्फ राजकीय व अनुदानित महाविद्यालयों को ही दी गई है। कॉलेजों को प्रवेश लेकर इसकी सूचना लविवि प्रशासन को देनी होगी।

रजिस्ट्रार संजय मेधावी ने लखनऊ समेत पांच जिलों लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई व रायबरेली के कॉलेजों के प्राचार्यों से कहा है कि बीपीएड, एमपीएड, बीएलएड व एमएड की खाली सीटों पर वे सीधे प्रवेश ले सकते हैं। उन्होंने कहा है कि जिन अभ्यर्थियों ने लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा सत्र 2022-23 में शिरकत की है। उन अभ्यर्थियों का प्रवेश कॉलेज प्रशासन खाली सीटों के सापेक्ष सीधे ले सकता है।

बता दें कि इस बार विश्वविद्यालय व कॉलेजों की प्रवेश प्रक्रिया देर तक चलने के कारण उक्त कोर्सों में काफी सीटें खाली रह गई हैं। इसे देखते हुए विवि प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। वहीं केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी भी लविवि से अपना प्रवेश कैंसिल करा रहे हैं। इनके सापेक्ष विवि प्रशासन संबंधित अभ्यर्थियों से संपर्क कर उनका प्रवेश सुनिश्चित करा रहा है।

एमएड और एमलिब के छात्रावास आवेदन शुरू

लखनऊ विश्वविद्यालय में एमएड व एमलिब के पहले सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को छात्रावास के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के लिए कहा गया है। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह ने बताया कि अभ्यर्थी 16 दिसंबर तक एचएमएस के माध्यम से 50 रुपये शुल्क देकर आवेदन कर सकते हैं।

बीबीएयू में यूजी-पीजी के लिए स्पॉट काउंसिलिंग शुरू

बीबीएयू में यूजी-पीजी कोर्सों की खाली सीटों पर प्रवेश के लिए मंगलवार से स्पॉट राउंड प्रवेश काउंसिलिंग शुरू हो गई। विवि प्रशासन की ओर से हाल ही में कराए गए रजिस्ट्रेशन के बाद तीन दिन तक स्पॉट राउंड का आयोजन किया जा रहा है। वहीं रजिस्ट्रार ने एक अन्य आदेश में कहा है कि जिन अभ्यर्थियों ने पांच दिसंबर तक फीस जमा कर प्रवेश पूरा कराया है, वे 15 दिसंबर तक अपना डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन अवश्य करा लें। इसके बाद कक्षाओं में उपस्थित होना होगा।

HINDUSTAN PAGE 4

एलयू: छात्रों को बताया कि उद्यमी कैसे बनें

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग में लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन के सहयोग से मास्टर क्लास फॉर स्टार्ट अप का आयोजन किया गया। यूपी वेंचर कैटलिस्ट के सुधांशु रस्तोगी ने छात्रों को उद्यमी बनने के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को बताया कि उद्यमिता क्या है, कैसे सफल उद्यमी बनें और आपकी सोच-विचार कितनी परिपक्व है। उन्होंने बताया कि कैसे यह सारी बातें महत्व रखती हैं।

16 तक हॉस्टल के लिए आवेदन करें

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एमएड और एमलिब प्रथम सेमेस्टर के छात्र हास्टल के लिए 16 दिसम्बर तक आवेदन कर सकते हैं। छात्र-छात्राओं को एचएमएस पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

i-NEXT PAGE 4

हास्टल आवंटन के लिए आवेदन 16 तक

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय में एमएड और एमलिब प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी 16 दिसंबर तक हास्टल के लिए पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं. इसके लिए उन्हें 50 रुपये का पंजीकरण शुल्क जमा करना होगा. मंगलवार को चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया. आवेदन करने वाले छात्र-छात्राओं को निर्धारित तिथि तक आवेदन के साथ अपने जरूरी अभिलेख भी अपलोड करने होंगे.

AMRIT VICHAR PAGE 4

संस्कृति सुरभि के महाकुंभ में उमड़ी छात्र–छात्राओं की भीड़

अमृत विचार संवाददाता

'संस्कृति सुरभि' के 12वें संस्करण में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते छात्र। अमृत विचार

लखनऊ। खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का महाकुंभ संस्कृति सुरभि का 12 वां संस्करण मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में शुरू हो गया। कार्यक्रम में विभिन्न कालेज के छात्र छात्राओं के साथ महाविद्यालयों के प्राचार्य, डीन और प्रोफेसर मौजूद रहे। इस दौरान न्यू परिसर में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें छात्र व छात्राओं ने सुबह से देर शाम तक प्रतिभाग किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के खेल व संस्कृति समिति, द्वितीय परिसर के निदेशक व डीन विधि संकाय प्रो. बीडी सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि 'खेल ही मानव शक्ति और बुद्धि' का अर्थ हमें समझाते हैं। तभी तो प्रतिभागी बड़े से बड़े लक्ष्यों को पाने में समर्थ होते हैं। उन्होंने खेलों को जिंदगी का अभिन्न अंग बताते हुए कहा कि खेल ही एक ऐसा माध्यम है जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो पाता है। प्रो. बीडी सिंह ने प्रतिभागियों के प्रयास की सराहना करते हुए बताया कि यह आयोजन द्वितीय परिसर अपर कुलानुशासक प्रो. मोहम्मद अहमद, डॉ. अनुराग कुमार श्रीवास्तव, लखनऊ विश्वविद्यालय खेल व संस्कृति कमेटी के निदेशक प्रो. सतीश पांडेय और अध्यक्ष डॉ. उग्रसेन वर्मा के देख रेख में शुरू कराया जा रहा है।

17 तक चलेगा कार्यक्रम

महाकुंभ संस्कृति सुरभि का आयोजन 17 दिसंबर तक चलेगा। जिसमे लखनऊ के अधिकांश महाविद्यालय व विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी 50 से अधिक प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में शिया पीजी कॉलेज, केकेसी, डीएवी डिग्री, सिटी लॉ कॉलेज, नर्वदेश्वर लॉ कॉलेज, लखनऊ लॉ कॉलेज, गीता लॉ कॉलेज और विभिन्न विश्वविद्यालयों जैसे भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, बीबीडी विश्वविद्यालय, रामस्वरूप विश्वविद्यालय, एमिटी यूनिवर्सिटी आदि के विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय में अब बीएलएड बीपीएड, एमपीएड व एमएड में सीधे प्रवेश

खाली सीटों पर प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को मौका

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने राजकीय, अनुदानित और स्ववित्तपोषित डिग्री कालेजों को बीपीएड, एमपीएड, बीएलएड और एमएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए सीधे मौका दे दिया है। विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित इन कोर्सों की प्रवेश परीक्षाओं में शामिल अभ्यर्थी कालेजों के इन कोर्सों में प्रवेश ले सकते हैं। कालेजों को लवि से अनुमोदन लेने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

लवि ने केंद्रीय प्रवेश परीक्षा के तहत कालेजों में काउंसिलिंग के माध्यम से अभ्यर्थियों का आवंटन किया था। बीपीएड, एमपीएड, बीएलएड और एमएड के लिए प्रवेश परीक्षा भी आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय काउंसिलिंग के माध्यम से चार बार इन कोर्सों में अभ्यर्थियों का आवंटन हो चुका है। फिर भी कालेजों की सीटें नहीं भर पाई हैं। फिर से प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को सीधे प्रवेश का मौका दिया है।

कैसे पूरा होगा कोर्स : लवि ने दिसंबर के 13 दिन बीतने के बाद अब चारो कोर्सों की खाली सीटों पर प्रवेश का मौका दिया है। जनवरी के अंतिम सेमेस्टर में प्रथम सेमेस्टर परीक्षाएं भी प्रस्तावित हैं। एक सेमेस्टर का कोर्स दो महीने में कैसे छात्र पूरा करेंगे।

एमए प्रथम, तृतीय जाग्रफी की मिड सेमेस्टर परीक्षाएं आज से : लवि ने मंगलवार को एमए प्रथम व तृतीय जाग्रफी (सीबीसीएस) मिड सेमेस्टर की परीक्षाओं का शेड्यूल वेबसाइट पर जारी किया है। प्रथम सेमेस्टर परीक्षाएं 14 से 19 दिसंबर, तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 14 से 17 दिसंबर तक परिसर के अटल बिहारी वाजपेयी ब्लाक में होंगी।

छात्रवृत्ति के लिए अब 26 दिसंबर तक होंगे आवेदन : दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए आनलाइन आवेदन के लिए 26 दिसंबर तक आवेदन किए जा सकेंगे। शासन का आदेश जारी होने के बाद लवि के कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि अभी तक छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति आवेदन के लिए 10 दिसंबर तक मौका दिया गया था, लेकिन संज्ञान में आया है कि बहुत से छात्र-छात्राएं आवेदन नहीं कर पाए हैं। इसलिए, उन्हें मौका मिल गया है। कुलसचिव ने बताया कि 10 दिसंबर तक जिन्होंने आवेदन कर दिया है, उनके फार्म 14 जनवरी तक जमा होंगे। ऐसे विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति पहले आ जाएगी। इसके अलावा दूसरे चरण में 26 दिसंबर तक जो आनलाइन आवेदन करेंगे, उनकी छात्रवृत्ति बाद में आएगी।

संस्कृति सुरभि-2022 में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में मंगलवार को सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा समिति की ओर से पांच दिवसीय वार्षिक खेल सांस्कृतिक प्रतियोगिता संस्कृति सुरभि-2022 का शुभारंभ हुआ। इसमें लवि सहित विभिन्न कालेजों के करीब 700 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं में शामिल होने के लिए सुबह से ही प्रतिभागी छात्र-छात्राओं की भीड़ जुट गई। पांच दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम के पहले दिन स्पोर्ट्स ग्राउंड में 100, 400, 200, 800 और 1600 मीटर दौड़, रिले रेस, बैडमिंटन, शतरंज, कैरम, वालीबाल, बास्केटबाल प्रतियोगिताएं हुईं। इसके अलावा जूरिस हाल में सोलो एकल नृत्य एवं गायन, फेस पेंटिंग, लाइब्रेरी में शतरंज, कैरम, ला फैकल्टी के मैदान बैडमिंटन सहित प्रतियोगिताएं हुईं। सभी प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय खेल एवं संस्कृति समिति के निदेशक प्रोफेसर सतीश चंद्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल ही हमें मानव शक्ति और बुद्धि का अर्थ समझाते हैं, तभी तो प्रतिभागी बड़े से बड़े लक्ष्यों को पाने में समर्थ होते हैं। कार्यक्रम में द्वितीय कैंपस के निदेशक प्रो. बीडी सिंह, कुलानुशासक प्रो. मोहम्मद अहमद, अध्यक्ष उग्रसेन वर्मा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन 17 दिसंबर को होगा।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 4

उद्यमी बनने के लिए छात्रों को दिया मंत्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग में मंगलवार को लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन (एलएमए) के सहयोग से मास्टर क्लास फॉर स्टार्टअप का आयोजन मंगलवार को किया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में हैश टैग बाजार.कॉम के संस्थापक अंकुश अरोरा, यूपी वेंचर कैटलिस्ट प्राइवेट लिमिटेड और 9 यूनिकॉर्न वेंचर फंड के उद्यम भागीदार सुधांशु रस्तोगी ने छात्रों को उद्यमी बनने के विभिन्न अनुभव रूपी पहलुओं पर विचार प्रस्तुत किये। जैसे उद्यमिता क्या है, कैसे सफल उद्यमी बने और आपकी सोच-विचार कितनी परिपक्व है जो आपको सफल बना सकते है, बाजार का दायरा कितना है, प्रतिस्पर्धी कौन है आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के संरक्षक लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय व संयोजक कुलसचिव संजय मेधावी और कार्यक्रम के मुख्य आयोजक व्यापार प्रशासन विभाग की अध्यक्ष प्रो. संगीता साहू और एलएमए के सचिव एके माथुर रहे।

खेल से होता है सर्वांगीण विकास : प्रो. सिंह

लखनऊ। लविवि के द्वितीय परिसर में सांस्कृतिक तथा क्रीड़ा समिति (एलयूसीएससी) द्वारा पांच दिवसीय वार्षिक खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिता संस्कृति सुरभि के 12वें संस्करण की शुरुआत मंगलवार को हुई। कार्यक्रम में विभिन्न कालेज के प्रिंसिपल, डीन और प्रोफेसर उपस्थित रहे। लविवि के खेल एवं संस्कृति समिति के निदेशक और डीन विधि संकाय प्रो. बीडी सिंह ने कहा कि खेल से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो पाता है। कार्यक्रम के प्रथम दिवस में दौड़, एकल गायन, एकल नृत्य, शतरंज, कैरम, वॉलीबाल, बास्केटबॉल सहित 12 से अधिक प्रतियोगितायें आयोजित की गयी।

हॉस्टल के लिए 16 तक करें आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के एमएड एमलिब प्रथम सेमेस्टर के छात्रों को छात्रावास की सुविधा के लिए 16 दिसंबर तक आवेदन करना होगा। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह ने बताया कि एमएड व एमलिब के छात्र हॉस्टल के लिए अपना पंजीकरण शुल्क 50 रुपये जमा करके एचएमएस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन जरूर कर दें। साथ ही उक्त छात्रों को 16 दिसंबर, 2022 तक नवीनतम सभी आवश्यक दस्तावेजों को अपलोड कर आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करना होगा। उम्मीदवारों को एचएमएस एप का लिंक https://www.luhostel.in में दिए गए छात्रावास नियमों का पालन करना होगा।

'कला इतिहास के अध्ययन के स्रोत के रूप में पुरातत्व' विषय पर संगोष्ठी आयोजित

अमृत विचार संवाददाता

व्याख्यान देते प्रो. अनिल कुमार।

लखनऊ। कला के इतिहास का अध्ययन दो रूपों में किया जाता है जिसमें पुरातात्विक और साहित्यिक रूप शामिल हैं। पुरातात्विक स्रोत द्वारा मानव इतिहास के उस काल खंड का अध्ययन किया जाता है, जिसके लिखित दस्तावेज या साक्ष्य नहीं मिलते, केवल पुरावशेष ही मिलते हैं। साहित्यिक स्रोतों में लिखित रूप में जानकारियां मिलती हैं और जिन्हें पढ़ा जा चुका है और इन्हीं तथ्यों के आधार पर उनका इतिहास बताया जाता है। यह व्याख्यान राज्य संग्रहालय में चल रहे दस दिवसीय कला अभिरुचि पाठ्यक्रम में मंगलवार को कला इतिहास के अध्ययन के स्रोत के रूप में पुरातत्व विषय आयोजित व्याख्यान में लखनऊ विश्व विद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के प्रो. अनिल कुमार ने दिया।

उन्होंने बताया कि प्रागैतिहासिक काल के मानव के जीवन यापन, रहन सहन, खान पान या अन्य गतिविधियों के विषय में जो भी जानकारियां मिलती हैं। वह केवल पुरातात्विक साक्ष्यों के आधार पर ही संभव है। प्रागैतिहासिक मानव द्वारा मुख्य रूप से शैलगृहों की दीवारों पर चित्रों के माध्यम से अपनी अभिव्यक्तियां प्रस्तुत की गई। बाद में अन्य रूपों जैसे प्रतिमाओं, स्थापत्य, भवन, विकसित नगर निर्माण द्वारा अभिव्यक्त किया गया।

सफल उद्यमी बनने के लिए बनें परिपक्व

अमृत विचार संवाददाता

प्रशिक्षण
- मास्टर क्लास फॉर स्टार्टअप का आयोजन
- सफल उद्यमी बनने के सिखाये गए गुर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग में लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन के सहयोग से 'मास्टर क्लास फॉर स्टार्ट अप' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सफल उद्यमी बनने के गुर सिखाते हुए छात्रों को सफल उद्यमी बनने के लिए परिपक्व होने की सलाह दी गई।

मंगलवार को कार्यक्रम की शुरुआत ए के माथुर के स्वागत संदेश से हुयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हैशटैग बाजार. कॉम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकुश अरोरा मौजूद रहे। इस अवसर नाइन यूनिकॉर्न वेंचर फंड और यूपी वेंचर कैटलिस्ट प्राइवेट लिमिटेड के उद्यम भागीदार सुधांशु रस्तोगी ने छात्रों को उद्यमी बनने के विभिन्न अनुभव को साझा किए।

कार्यक्रम के संरक्षक लविवि के प्रो. आलोक राय ने कहा कि अनुभव और सही मार्गदर्शन ही सफलता की कुंजी है लविवि के रजिस्ट्रार प्रो. संजय मेधावी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक व्यापार प्रशासन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. संगीता साहू के अलावा बतौर समन्वयक व्यापार प्रशासन विभाग की सह प्राध्यापक डॉ. निमिषा कपूर, सहायक प्रोफेसर डॉ. अनु कोहली , सहायक प्रो. डॉ. राम सिंह की मौजूद रहे।

महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला आज

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय एकेटीयू में बुधवार को महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया है। स्टार्ट-अप इंडिया ने स्टार्टअप इन यूपी और एकेटीयू के इनोवेशन हब के सहयोग से कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार मिश्र के नेतृत्व में महिला उद्यमियों के लिए स्टार्ट-अप इंडिया स्टेट वर्कशॉप का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन सुबह दस बजे किया जाएगा।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

मास्टर क्लास फॉर स्टार्टअप का आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राजधानी स्थित एलयू के व्यापार प्रशासन विभाग में मंगलवार को लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन के सहयोग से मास्टर क्लास फॉर स्टार्ट अप का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत ए. के. माथुर के स्वागत संदेश से हुयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अंकुश अरोरा, प्रबंध संचालक, संस्थापक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, हैष टैग बाजार.कॉम, सुधांशु रस्तोगी, उद्यम भागीदार, यू. पी. वेंचर कैटलिस्ट प्राइवेट लिमिटेड और 9 यूनिकॉर्न वेंचर फंड, जिन्होंने छात्रों को उद्यमी बनने के विभिन्न अनुभव रूपी पहलुओं जैसे उद्यमिता क्या है, कैसे सफल उद्यमी बने, और आपकी सोच-विचार कितनी परिपक्व है जो आपको सफल बना सकते हैं, बाजार का दायरा कितना है, प्रतिस्पर्धी कौन है, कैसे लक्ष्य साधे, सर्वे और शोध करना, प्रतियोगिता विश्लेषण करना, ब्रेक ईवन , विज्ञापन के माध्यम से जागरुक करना, मजबूत टीम का होना सर्वोपरि है तथा अनुभव और सही मार्गदर्शन से भविष्य में छात्रों को आवश्यक जानकारी मिल सके इत्यादि पर विचार प्रस्तुत कर कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। इस कार्यक्रम के संरक्षक एलयू कुलपति प्रो. आलोक राय, संयोजक एलयू रजिस्ट्रार, प्रो. संजय मेधावी, कार्यक्रम के मुख्य आयोजक एलयू के व्यापार प्रशासन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. संगीता साहू और ए. के. माथुर, सचिव, एल.एम.ए. रहे। बतौर समन्वयक डॉ. निमिषा कपूर सह प्राध्यापक, व्यापार प्रशासन विभाग, एलयू, डॉ. अनु कोहली, सहायक प्रोफेसर, व्यापार प्रशासन विभाग, एलयू, डॉ. राम सिंह, सहायक प्रोफेसर, व्यापार प्रशासन विभाग, एलयू के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कला इतिहास के अध्ययन के स्रोत के रूप में पुरातत्व विषय पर व्याख्यान

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राज्य संग्रहालय, लखनऊ द्वारा आयोजित कला अभिरूचि पाठ्यक्रम की श्रृंखला के अन्तर्गत मंगलवार को कला इतिहास के अध्ययन के स्त्रोत के रूप में पुरातत्व विषय पर मुख्य वक्ता प्रो. अनिल कुमार, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा पावर प्वाइन्ट के माध्यम से रूचिकर व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर निदेशक राज्य संग्रहालय के द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर वक्ता का स्वागत किया। डॉ. मीनाक्षी खेमका ने मुख्य वक्ता के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रो. अनिल पुरातत्व विषय में विशिष्ट ज्ञान रखते हैं। इस श्रृंखला में प्रथमतः वक्ता ने बताया कि इतिहास अध्ययन के प्रमुख रूप से दो स्रोत हैं- पुरातात्विक और साहित्यिक। इन दोनो का अपना विशेष महत्व है। पुरातात्विक स्रोतों द्वारा मानव इतिहास के उस काल खण्ड का अध्ययन किया जाता है जिसके लिखित दस्तावेज या साक्ष्य नहीं मिलते। केवल वही पुरावशेष मिलते हैं जिनका तत्कालीन मानव ने निर्माण किया और अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर छोड़ दिया या बच गए। साहित्यिक स्रोतों में लिखित रूप में जानकारियां मिलती हैं और जिन्हें पढ़ा जा चुका है तथा इन्हीं तथ्यों के आधार पर उनका इतिहास बताया जाता है। इस कार्यक्रम के अन्त में संग्रहालय के निदेशक डॉ. आनन्द कुमार सिंह ने कहा कि पुरातत्व एवं संग्रहालय का अटूट सम्बन्ध है तथा विभिन्न स्थलों से प्राप्त पुरावशेष संग्रहालय में सुरक्षित रखे जाते हैं।

एलयू के द्वितीय परिसर में पांच दिवसीय संस्कृति सुरभि कार्यक्रम का शुभारंभ

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का महाकुंभ संस्कृति सुरभि का 12वां संस्करण मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर, जानकीपुरम में आरम्भ हुआ। इस कार्यक्रम में विभिन्न कालेज के प्रिंसिपल, डीन और प्रोफेसर उपस्थित रहे। एलयू के खेल एवं संस्कृति समिति के निदेशक, द्वितीय परिसर एवं डीन विधि संकाय प्रो. बी. डी. सिंह ने बच्चों एवं उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि खेल ही मानव शक्ति और बुद्धि का अर्थ हमें समझाते हैं, तभी तो प्रतिभागी बड़े से बड़े लक्ष्यों को पाने में समर्थ होते हैं। उन्होंने खेलों को जिंदगी का अभिन्न अंग बताया और कहा कि खेल ही क ऐसा माध्यम है जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो पाता है। प्रो. बी डी सिंह ने प्रतिभागियों के प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने एवं बेहतर बनने का संदेश दिया। सुबह से ही प्रतिभागी विद्यार्थियों का जमावड़ा एलयू के प्रांगण में होने लगा।

5 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम के प्रथम दिवस में दौड़, एकल गायन, एकल नृत्य, शतरंज, कैरम, वालीबाल, बास्केट बॉल सहित 12 से अधिक प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यह आयोजन प्रो. बी.डी सिंह, द्वितीय परिसर, अपर कुलानुशासक प्रो. मो. अहमद, डॉ. अनुराग कुमार श्रीवास्तव, एलयू खेल एवं संस्कृति कमेटी के निदेशक प्रो. सतीश पांडेय एवं अध्यक्ष डॉ. उग्रसेन वर्मा के देख-रेख में सम्पन्न कराया जा रहा है। मंगलवार के इस कार्यक्रम का संचालन देवेश एवं अन्य छात्रों ने किया। यह आयोजन 17 दिसम्बर तक चलेगा जिसमें लखनऊ के अधिकांश महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, 50 से अधिक प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में शिया पीजी कॉलेज, केकेसी, डीएवी डिग्री, सिटी लॉ कॉलेज, नर्वदेश्वर लॉ कॉलेज, लखनऊ लॉ कॉलेज, गीता लॉ कॉलेज इत्यादि तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों जैसे भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, बीबीडी विश्वविद्यालय, रामस्वरूप विश्वविद्यालय, एमिटी यूनिवर्सिटी इत्यादि के विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।

HINDUSTAN TIMES PAGE 3

Entrepreneurship lessons for students in LU's 'master class'

HT Correspondent
letters@htlive.com

The session was attended by staff and students. HT PHOTO

LUCKNOW: To teach MBA students about entrepreneurship, Lucknow University's department of Business Administration held an event titled 'Master Class For Start-Ups' on Tuesday.

The session, held in collaboration with Lucknow Management Association, commenced with an address from AK Mathur, secretary of the Lucknow Management Association. In his speech, he highlighted the significance of entrepreneurship in today's management education.

Similarly, Sudhanshu Rastogi discussed the vision of start-ups while Ankush Arora explained the different aspects and ideas of start-ups through slides. The session was open for everyone to discuss, clear their doubt and calm their curiosity. The faculty members and students benefited from the experience of the speakers and developed a fresh insight into entrepreneurial activity.

The event was attended by Professor Sangeeta Sahu, head of the department of Business Administration, convener of the program Prof. Sanjay Medhavi, resource persons Ankush Arora, managing director, founder and CEO Hash TagBazaar.com, and Sudhanshu Rastogi, Venture Partner, U.P, Venture Catalysts Pvt. Ltd and others.

KANWHIZZ TIMES PAGE 3

विश्वविद्यालय में मास्टर क्लास फॉर स्टार्ट अप का आयोजन

लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग में आज दिनांक 13 दिसम्बर 2022 को लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन के सहयोग से 'मास्टर क्लास फॉर स्टार्ट अप' एड्ड का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत श्री ए के माथुर जी के स्वागत संदेश से हुयी । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अंकुश अरोरा (प्रबंध संचालक, संस्थापक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, हैष टैग बाजार.कॉम), श्री सुधांशु रस्तोगी (उद्यम भागीदार, यू. पी. वेंचर कैटलिस्ट प्राइवेट लिमिटेड, और 9यूनिकॉर्न वेंचर फंड), जिन्होंने छात्रों को उद्यमी बनने के विभिन्न अनुभव रूपी पहलुओं पर विचार प्रस्तुत किये जैसे उद्यमिता क्या है, कैसे सफल उद्यमी बने, और आपकी सोच-विचार कितनी परिपक्व है जो आपको सफल बना सकते है, बाजार का दायरा कितना है, प्रतिस्पर्धी कौन है, कैसे लक्ष्य साधे, सर्वे करना, शोध करना, प्रतियोगिता विश्लेषण करना, ब्रेक ईवन , विज्ञापन के माध्यम से जागरुक करना , मजबूत टीम का होना सर्वोपरि है तथा अनुभव और सही मार्गदर्शन से भविष्य में छात्रों को आवश्यक जानकारी मिल सके इत्यादि महत्वपूर्ण जानकारी साझा करी। कार्यक्रम के संरक्षक प्रोफ़ेसर आलोक राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय व संयोजक प्रो संजय मेधावी, रजिस्ट्रार, लखनऊ विश्वविद्यालय वकार्यक्रम के मुख्य आयोजक प्रो संगीता साहू (विभागाध्यक्ष, व्यापार प्रशासन विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय) और श्री ए.के. माथुर(सचिव, एल.एम.ए.) रहे। बतौर समन्वयक डॉ निमिषा कपूर (सह प्राध्यापक, व्यापार प्रशासन विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय), डॉ अनु कोहली (सहायक प्रोफ़ेसर, व्यापार प्रशासन विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय), डॉ राम सिंह(सहायक प्रोफ़ेसर, व्यापार प्रशासन विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय) के सानिध्य मे कार्यक्रम आयोजित किया गया।